an>

Title: Alleged conspiracy to close operations of the Bhabha Nuclear Plant due to collision of ships in Mumbai.

श्री हुक्मदेव नारायण यादव (मधुबनी): महोदय, इस विषय को सदन में उठाया जा चुका था, जब मुम्बई के सदस्य ने इसे उठाया था। मैं इसके दूसरे पक्ष की तरफ सरकार तथा देश का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं। मुम्बई के सागर में दो जहाज का टक्कर लगा। उसके कारण पानी में प्रदूषण फैला, उससे मछुआरों के जीवन और जीविका पर आघात पड़ा है, वह अपनी जगह है, लेकिन समुद्र के पानी में तेल फैलने के कारण भाभा एटोमिक बिजली घर उस समुद्र से पानी लेना छोड़ दिया है। पानी प्रदूषित होने के कारण खतरा पैदा हुआ है। मैं सरकार का ध्यान इस तरफ आकर्षित करना चाहता हूं कि जिन दो जहाजों की टक्कर हुई, उनके मालिक और प्रबंधक मुम्बई में थे परन्तु उन्होंने जहाजों को डूबने से बचाने के लिए प्रयत्न नहीं किया। क्या दोनों जहाज के मालिक किसी ऐसे आतंकवादी संगठन या हिंदुस्तान के देशद्रोही संगठनों से जुड़े हुए हैं, जिसने जानबूझ कर टक्कर मारी। हमारे दो बन्दरगाह मुम्बई और जेएनपीटी नांमी बंदरगाह के कामों को ठप्प किया और भाभा परमाणु विद्युत ताप घर है, उसके कामकाज को ठप्प करने की भी कहीं योजना न रही हो और कहीं ऐसा न हो कि जैसे अमेरिका में हवाईजहाज ने पेंटागन में टक्कर मारी थी, उसी तरह कहीं यह योजना न हो। इसलिए भारत सरकार इस मामले की जांच उच्चस्तरीय किसी गुप्तचर संस्था से कराए या पार्लियामेंट की कमेटी से इसकी जांच कराए कि इसमें क्या किसी विदेशी ताकत का हाथ है? जो जहाज के प्रबन्धक और मालिक हैं, उनको गिरफ्तार किया जाए और उन पर मुकदमा चलाया जाए कि उन्होंने हिन्दुस्तान के साथ और हमारे दो बन्दरगाह के साथ तथा परमाणु घर को बर्बाद करने का कहीं षडयंत्र किया हो, इसलिए इस पर भी सरकार का ध्यान जाना चाहिए।